DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 May, 2024

न्यायाधीशों की राजनीतिक संबद्धता

संदर्भ: *हाल ही में अपने विदाई भाषण में, कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने कहा कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य थे और रहेंगे।*

भारत: न्यायाधीश न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं

➢ **ऐतिहासिक संदर्भ:**

- 1970 के दशक से पहले, न्यायाधीशों की राजनीतिक विचारधारा प्रक्रिया में शामिल होना कोई बड़ी बात नहीं थी।
- उच्चतम न्यायलय के द्वारा इंदिरा गांधी की सरकार (गोलकनाथ, बैंक राष्ट्रीयकरण और प्रिवी पर्स मामले) के बाद इसमें बदलाव किया गया।

➢ **न्यायाधीशों की नियुक्तियों में विचारधारा का महत्त्व:**

- इंदिरा कैबिनेट में मंत्री एस मोहन कुमारमंगलम ने उच्चतम न्यायलय में नियुक्तियों के लिए जजों की विचारधारा पर विचार करने की सिफारिश की थी।
- आरएसएस के साथ कथित संबंधों के कारण न्यायमूर्ति एम एन चंदूरकर की पदोन्नति रोक दी गई थी।

➢ **कॉलेजियम प्रणाली:**

- 1990 के दशक से ही, न्यायाधीशों की नियुक्तियाँ कोलेजियम प्रणाली के माध्यम से की जाती हैं, जिसमें प्रत्यक्ष राजनीतिक संबद्धता के बिना न्यायाधीशों की निष्पक्षता को महत्वपूर्ण माना जाता है।
- हालाँकि एक समय न्यायमूर्ति विक्टोरिया गौरी की नियुक्ति को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था, जिनका भाजपा से पुराना नाता रहा है, जिसके कारण आपत्तियां उठीं और उनकी नियुक्ति के खिलाफ याचिका खारिज कर दी गई।

यूके: योग्यता और अनुभव

➢ **चयन प्रक्रिया:**

- न्यायाधीशों का चयन योग्यता और अनुभव के आधार पर किया जाता है, न कि राजनीतिक संबद्धता के आधार पर।
- इस प्रक्रिया में वरिष्ठ न्यायपालिका सदस्य और न्यायपालिका से परिचित अन्य लोग शामिल होते हैं।

➢ **न्यायिक आचरण:**

- न्यायाधीशों को राजनीतिक संबंधों और सार्वजनिक प्रदर्शनों से बचना चाहिए जो उनकी स्वतंत्रता से समझौता कर सकते हैं।
- हाउस ऑफ कॉमन्स (अयोग्यता) अधिनियम, 1975 के तहत उन्हें संसद के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया गया है।

अमेरिका: एक अत्यधिक राजनीतिक न्यायपालिका

➢ **नियुक्ति प्रक्रिया:**

- राष्ट्रपति न्यायाधीशों की नियुक्ति करता है और सीनेट उनकी पुष्टि करती है, और यह प्रक्रिया अक्सर पक्षपातपूर्ण वोटों से होती है।
- न्यायाधीश जीवन भर सेवा करते हैं और उनके पास ज्ञात राजनीतिक पद होते हैं, सर्वोच्च न्यायालय की संरचना के आधार पर उसका महत्वपूर्ण रूढ़िवादी या उदारवादी प्रभाव होता है।

➢ **न्यायिक आचरण:**

- अमेरिकन बार एसोसिएशन मॉडल कोड न्यायाधीशों को कानून, कानूनी प्रणाली या न्याय प्रशासन में सुधार के अलावा राजनीतिक गतिविधियों से प्रतिबंधित करता है।
- न्यायाधीशों को न्यायिक स्वतंत्रता, अखंडता या निष्पक्षता के साथ असंगत राजनीतिक गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहिए।

सिंगापुर: स्वतंत्रता और क्षमता

➢ **न्यायिक आचार संहिता:**

- एक स्वतंत्र और सक्षम न्यायपालिका पर जोर देता है।
- न्यायाधीशों को राजनीतिक दलों के साथ जुड़ाव से बचना चाहिए और ऐसे मामलों की सुनवाई नहीं करनी चाहिए जहां पारिवारिक राजनीतिक गतिविधियों के कारण उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया: राजनीतिक दूरी

➢ **न्यायिक आचरण:**

- न्यायाधीशों से अपेक्षा की जाती है कि वे नियुक्ति पर राजनीतिक दलों से संबंध तोड़ लें।
- निष्पक्षता बनाए रखने के लिए राजनीतिक सभाओं और राजनीतिक दलों को योगदान देने से बचना महत्वपूर्ण है।
- प्रासंगिक विषयों पर मजबूत जनमत से निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मामलों से अयोग्यता हो सकती है।

सरकार को आरबीआई का लाभांश

संदर्भ: *बुगत 22 मई को, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को ₹2.11 लाख करोड़ के लाभांश भुगतान की मंजूरी दी है।*

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को ₹2.11 लाख करोड़ के लाभांश भुगतान को मंजूरी दी, जो पिछले वर्ष के ₹87,416 करोड़ का 2.41 गुना अधिक है।
- इस घोषणा के बाद, नए 10-वर्षीय बेंचमार्क जी-सेक की उपज 7% से नीचे 6.9919% पर बंद हुई।
- इस सन्दर्भ में अर्थशास्त्री उच्च अधिशेष का श्रेय, बढ़ती वैश्विक और घरेलू पैदावार और विदेशी मुद्रा भंडार पर पुनर्मूल्यांकन लाभ से बढ़ी ब्याज आय को देते हैं।
- यह अधिशेष लक्षित राजकोषीय घाटे को बनाए रखने में सहायता करेगा और राजकोषीय नीति के लिए लचीलापन प्रदान करेगा।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- इससे सरकार के धीमी गति से चल रहे विनिवेश कार्यक्रम पर निर्भरता कम हो सकती है।
- आरबीआई बोर्ड ने मजबूत आर्थिक विकास के कारण वित्त वर्ष 2024 के लिए आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को 6.50% तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा:

➢ **समिति का गठन:**

- आरबीआई ने अपने आर्थिक पूंजी ढांचे का पुनर्मूल्यांकन करने और सरकार को हस्तांतरित किए जाने वाले अधिशेष प्रावधान की राशि का प्रस्ताव करने के लिए पूर्व गवर्नर बिमल जालान की अध्यक्षता में एक समिति की स्थापना की।
- इस समिति ने आरबीआई की आर्थिक पूंजी के दो तत्वों के बीच स्पष्ट अंतर की सिफारिश की: वास्तविक इक्विटी और पुनर्मूल्यांकन शेष।
- इस पुनर्मूल्यांकन भंडार में विदेशी मुद्राओं और सोने, विदेशी प्रतिभूतियों और रुपये की प्रतिभूतियों के मूल्यों में आवधिक रूप से चिह्नित-टू-मार्केट अप्राप्त/काल्पनिक लाभ/हानि और एक आकस्मिक निधि शामिल होती है।
- वास्तविक इक्विटी, जिसे आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) के रूप में भी जाना जाता है, मुख्य रूप से बरकरार रखी गई कमाई से संचित सभी जोखिमों/नुकसानों को पूरा करने के लिए एक आकस्मिक निधि के रूप में कार्य करती है।

➢ **अधिशेष वितरण नीति:**

- अंतिम अधिशेष वितरण नीति बिमल जालान समिति के सुझावों के अनुरूप है।
- इस समिति ने आरबीआई की बैलेंस शीट के 5.5-6.5% की सीमा के भीतर आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) स्तर निर्धारित करने की सिफारिश की।
- इन सिफारिशों के बाद, आरबीआई ने बैलेंस शीट के 5.5% पर सीआरबी स्तर स्थापित करने का विकल्प चुना, शेष अतिरिक्त रिजर्व कुल ₹52,637 करोड़ सरकार को हस्तांतरित कर दिया।

➢ **जोखिम प्रावधान:**

- यदि आकस्मिक जोखिम बफर आवश्यकता की निचली सीमा से नीचे आता है, तो जोखिम प्रावधान आवश्यक सीमा तक किया जाएगा, केवल अवशिष्ट शुद्ध आय (यदि कोई हो) सरकार को हस्तांतरित की जाएगी।
- **निहितार्थ:** आकस्मिक जोखिम बफर को 5.5% की निचली सीमा पर बनाए रखने से आरबीआई की मौद्रिक नीति में होनेवाला लचीलापन सीमित हो जाता है।

रेंजलैंड्स (Rangelands) के संभावित खतरे

संदर्भ: UNCCD की एक नई रिपोर्ट इस बात को रेखांकित करती है, कि दुनिया के लगभग आधे रेंजलैंड खराब हो गए हैं, जिसके लिए नीतिगत कार्रवाई और उन पर निर्भर समुदायों को केंद्रित सहायता की आवश्यकता है।

➢ **रेंजलैंड्स (Rangelands) क्या होता है ?**

- **परिभाषा:** रेंजलैंड पशुधन या वन्य जीवन द्वारा चरे जाने वाले (चारागाह) प्राकृतिक या अर्ध-प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र हैं, जिनमें घास, झाड़ियाँ और पेड़ शामिल हैं, जो जलवायु कारकों से प्रभावित होते हैं।
- **कवरेज और महत्व:** इस समान रेंजलैंड वैश्विक रूप से 80 मिलियन वर्ग किमी में फैली हुई है, जो कार्बन सिंक, मीठे पानी के भंडार और वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा और आजीविका के लिए महत्वपूर्ण है।
- **वैश्विक महत्व:** वे 16% खाद्य उत्पादन और शाकाहारी जीवों के लिए 70% चारा उत्पन्न करते हैं, केवल भारत में लगभग 1.21 मिलियन वर्ग किमी फैला हुआ है।

➢ **चुनौतियाँ और क्षरण:**

- **क्षरण अवलोकन:** दुनिया की लगभग आधी रेंजलैंड जलवायु परिवर्तन, अस्थिर प्रथाओं, जैव विविधता हानि और कृषि भूमि में रूपांतरण के कारण क्षरण का सामना कर रही है।
- **समुदायों पर प्रभाव:** क्षरण के कारण मिट्टी की उर्वरता में कमी, जैव विविधता की हानि, आय में कमी और अधिकारियों के साथ चराई के अधिकार पर टकराव होता है।

➢ **पशुचारण क्या हैं ?**

- **आजीविका प्रणाली**: पशुचारण में पशुधन उत्पादन शामिल है, जिसमें पशुपालन, डेयरी, मांस, ऊन और चमड़े का उत्पादन शामिल है।
- **सामुदायिक प्रोफ़ाइल:** विश्व स्तर पर, लगभग 500 मिलियन चरवाहे पशुधन उत्पादन में शामिल हैं, जिनमें से भारत में विभिन्न समूहों में लगभग 13 मिलियन हैं।

➢ **आर्थिक योगदान:**

- **पशुधन क्षेत्र**: चरवाहे भारत के पशुधन क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, स्वदेशी नस्लों की रक्षा करते हैं, पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करते हैं और डेयरी और मांस उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **वैश्विक नेतृत्व:** भारत डेयरी और मांस उत्पादन में वैश्विक नेता के रूप में शुमार है, इस स्थिति को बनाए रखने में पशुपालक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

FIGURE 2 Indicative map of global rangelands according to ecoregions[19]

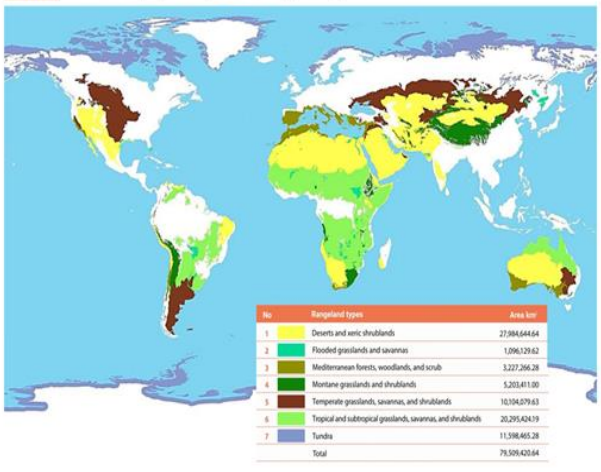

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 May, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

बुद्ध पूर्णिमा

आज देश के विभिन्न हिस्सों में मनाये जा रहे बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्र को शुभकामनाएं दी हैं।

बुद्ध पूर्णिमा के बारे में:

- बुद्ध पूर्णिमा, जिसे वेसाक या बुद्ध जयंती के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू कैलेंडर माह वैशाख की पहली पूर्णिमा को दुनिया भर के बौद्धों द्वारा मनाया जाने वाला एक त्योहार है।
- यह बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान गौतम बुद्ध के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। इनका जन्म लगभग 563 ईसा पूर्व लुम्बिनी, वर्तमान नेपाल में हुआ था।
- इस दिन को त्रिगुण-धन्य दिन माना जाता है, जो बुद्ध के जन्म, ज्ञानोदय (बोधि) और मृत्यु (महा परनिर्वाण) का प्रतीक है।
- 1999 में, समाज में बौद्ध धर्म के योगदान को स्वीकार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा बुद्ध पूर्णिमा को एक अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में नामित किया गया था।
- इस दिन को भारत, नेपाल, श्रीलंका, भूटान, चीन, तिब्बत, कोरिया, लाओस, मंगोलिया, वियतनाम, बर्मा, थाईलैंड, कंबोडिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर में एक प्रमुख त्योहार के रूप में मनाया जाता है।
- माना जाता है कि भगवान बुद्ध को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर में ज्ञान प्राप्त हुआ था।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

विदेश मंत्रालय द्वारा हाल ही में घोषणा की गई है कि स्पेन 99वें सदस्य के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन एक अंतर-सरकारी संगठन और सहयोगात्मक मंच है जिसका उद्देश्य सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ाना है।
- इसकी स्थापना पेरिस में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत के प्रधान मंत्री (नरेन्द्र मोदी) और फ्रांस के राष्ट्रपति (फ्रांस्वा ओलांद) द्वारा की गई थी।
- इसके लक्ष्यों में ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और सदस्य देशों में ऊर्जा परिवर्तन को गति देना शामिल है।
- इसका लक्ष्य 1000 गीगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करना और सालाना 1000 मिलियन टन CO_2 का शमन करना है।
- इसकी अवधारणा 2015 में पेरिस में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के लिए पार्टियों के 21वें सम्मेलन (COP21) के दौरान की गई थी।
- इसका मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित है।

उजानी बांध

हाल ही में, महाराष्ट्र के उजानी बांध के पानी में नाव पलटने से उसमें सवार सात लोगों में से दो बच्चों सहित छह व्यक्ति लापता हो गए।

उजानी बांध के बारे में:

- उजानी बांध, जिसे भीमा बांध के नाम से भी जाना जाता है, महाराष्ट्र में एक मिट्टी और कंक्रीट का बना बांध है।
- इसे जून 1980 में चालू किया गया था और यह 2,534 मीटर लंबा है।
- बांध का निर्माण भीमा नदी पर किया गया है, जो सोलापुर जिले में कृष्णा नदी की एक सहायक नदी है।
- बांध के जलाशय की क्षमता 1,517 गीगा लीटर (GL) है और यह पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति करता है।
- बांध का जलाशय मछली पालन के लिए भी पानी प्रदान करता है और फ्लेमिंगो देखने के लिए लोकप्रिय पक्षी अवलोकन स्थल है।
- बांध के बगल में स्थित उजानी हाइड्रो पावर स्टेशन, बांध से छोड़े गए पानी पर चलता है और इसमें एक प्रतिवर्ती उत्पादन इकाई है जो 12 मेगावाट का उत्पादन कर सकती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

स्पेन

हाल ही में स्पेन अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का 99वां सदस्य बन गया है।

स्पेन (राजधानी: मैड्रिड)

अवस्थिति: स्पेन दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में इबेरियन प्रायद्वीप पर स्थित है।

सीमाएँ: स्पेन की सीमाएँ भूमध्य सागर (पूर्व और दक्षिण-पूर्व), पुर्तगाल (पश्चिम), अंडोरा और बिस्क की खाड़ी (उत्तर), जिब्राल्टर (दक्षिण), फ्रांस (उत्तर-पूर्व) और अटलांटिक महासागर (उत्तर-पश्चिम) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- स्पेन में अटलांटिक महासागर में कैनरी द्वीप समूह और भूमध्य सागर में बेलिएरिक द्वीप समूह शामिल हैं।
- स्पेन में प्रमुख पर्वत श्रृंखलाओं में पिरिनीज़, सिएरा मोरैना, सेंट्रल सिएरा और कैंटब्रियन पर्वत शामिल हैं।
- स्पेन को 17 स्वायत्त समुदायों में विभाजित किया गया है, जिनमें कैटालोनिया , अंडालूसिया, मैड्रिड आदि शामिल हैं।
- एब्रो नदी स्पेन की महत्वपूर्ण नदियों में से एक है।

POINTS TO PONDER

- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) की संस्थापक संधि, रोम संविधि, कब अपनाई गई थी? – **जुलाई 1998**
- 2024 में अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीतने वाली पुस्तक "कैरोस" के लेखक कौन हैं? – **जेनी एर्पेनबेक**
- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन को संबोधित करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा कौन सी पहल शुरू की गई थी? – **प्रोजेक्ट रीप्लान (प्रकृति से प्लास्टिक को कम करना)**
- 2023 में शुरू की गई किस सहयोगात्मक पहल में भारतीय सेना और यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (USI) शामिल हैं? – **प्रोजेक्ट उद्भव**
- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) में अध्यक्ष सहित कितने सदस्य होते हैं? – **अध्यक्ष और 6 सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त)**